नईदुनिया

परंपरागत ध्वज चल समारोह हमारे सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक : डॉ. यादव

गेर को निरंतर बनाए रखने प्रदान की जाएगी सवा लाख रुपए की सहयोग राशि

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राचीन अवंतिका नगरी में सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल के दौरान परंपरागत रूप से सैनिक छावनियों से सैनिक विजयी पताका और चिन्ह लेकर चल समारोह के रूप में नगर में उत्सव मनाते थे। बाद में इस उत्सव को गेर नाम दे दिया। यह प्राचीन परंपरा आज भी कायम है। यह परंपरा हमारे सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को उज्जैन में सुबह श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान श्री महाकाल का पूजन अभिषेक करने के बाद मंदिर के सभा मंडप में रंगपंचमी के अवसर पर ध्वज चल समारोह में भगवान वीरभद्र जी के ध्वज और श्री महाकाल ध्वज के साथ ही शस्त्रों का विधि विधान पूर्वक पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ध्वज हाथ में लेकर मंदिर के कुंड परिसर तक गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह को निर्देश दिए कि उज्जैन में परंपरागत रूप से निकलने वाले चल समारोह (गेर) की परंपरा को आगे भी कायम रखने के लिए सवा-सवा लाख रुपए की राशि दी जाए।

रंगपंचमी के अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर से परंपरागत रूप से निकलने वाले श्री महाकालेश्वर ध्वज चल समारोह (श्री वीरभद्र ध्वज चल समारोह) के पहले सुबह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंच कर गर्भगृह में भगवान श्री महाकाल का पूजन कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। पूजन के बाद नंदी हाल में मंदिर के पुजारी-पुरोहितों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान महाकाल का ध्यान लगाया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भगवान महाकाल का अंगवस्त्र, भगवान महाकाल का प्रसाद व स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

रंग पंचमी पर खेली फूलों की होली

ये देश है वीर जवानों का' गाना गाया, सभी को रंग पंचमी की शुभकामनाएं दीं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को रंगपंचमी के पावन अवसर पर टॉवर चौक उज्जैन में आमजन के साथ फूलों की होली खेली। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंधी कॉलोनी से निकाली गई गेर (चल समारोह) में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपने बीच पाकर नागरिकों ने हर्षोल्लास से रंगपंचमी मनाई और मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। टॉवर चौक पर बनाये गये मंच से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी पर गुलाब के फूल बरसाकर होली खेली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ये फूल हमें याद दिलाते हैं कि जीवन में रंग भले कितने भी हों, असली रंग तो दिल के रंग होते हैं, जो एक-दूसरे के लिए सम्मान, भाईचारा और देशभक्ति से भरे हों। रंगपंचमी पर हमारे जीवन में आत्मीयता बढ़े, प्रेम और स्नेह बढ़े यही ईश्वर से प्रार्थना है। इसके बाद मुख्यमंत्री और आम जनता ने मिलकर 'ये देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का' गाना गाया तो लगा जैसे पूरा उज्जैन, एक सुर में गूंज रहा है। ये

गाना उन वीर जवानों के लिए समर्पित था, जो सीमा पर खड़े होकर हमें ये रंग खेलने की आजादी देते हैं। आज टॉवर चौक पर रंगपंचमी पर हजारों लोगों का एक साथ नाचते और गाने में मालवी परंपरा की सोंधी खुशबू भी थी।

प्रदेश में उड़द की खेती को किया जा रहा है प्रोत्साहित : कंषाना

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ किसानों के साथ खड़ी है और उनके हितों की रक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में उड़द की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा उड़द खरीदी पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की गई है। किसानों से अपील है कि वे अधिक से अधिक उड़द की खेती करें, ताकि उन्हें इस बोनस का लाभ मिले और अगली फसल की तैयारी भी समय पर हो सके।

कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण और उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इस वर्ष गेहूं खरीदी पर किसानों को 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस प्रदान किया जाएगा। इससे प्रदेश के लाखों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि गेहूं खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि पहले 7 मार्च निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 10 मार्च कर दिया गया है, जिससे अधिक से अधिक किसान अपना पंजीयन कराकर शासन की योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। किसानों को सिंचाई के लिए दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इससे किसानों को रात में सिंचाई के दौरान होने वाली परेशानियों और जोखिमों से राहत मिलेगी।

निजी स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 से

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत सत्र 2026-27 में निजी स्कूलों में प्रथम प्रवेशित कक्षा में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च प्रारंभ होंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। आरटीई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश उपलब्ध कराये गए हैं। आवेदकों का चयन, ऑनलाइन लाटरी के माध्यम से दो अप्रैल को किया जाएगा। इस संबंध में समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। साथ ही सभी जिला कलेक्टरों एवं संबंधित अधिकारियों को विस्तृत निर्देश भी प्रदान किए गए हैं। समय-सारिणी एवं दिशा निर्देश आरटीई पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं। मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट्स का पोर्टल पर प्रदर्शन नौ मार्च से किया जाएगा। वहीं वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के आवेदक अपना आवेदन, ऑनलाइन प्रक्रिया से 13 मार्च से 28 मार्च के बीच जमा कर पंजीयन कर सकते हैं। फार्म के साथ पात्रता संबंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा।

चौदह जिलों के बासमती चावल को तुरंत मिले जीआई टैग : दिग्विजय

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश के 14 जिलों में उत्पादित बासमती चावल को भौगोलिक संकेतक (जी.आई.) टैग दिए जाने की मांग की है।

उन्होंने प्रदेश में बासमती चावल का उत्पादन करने वाले किसानों के साथ हो रहे अन्याय पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पिछले कई वर्षों से प्रदेश के किसानों की यह मांग रही है कि लेकिन केन्द्र सरकार की उदासीनता के कारण प्रदेश के किसान अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त करने से वंचित हो रहे हैं। श्री सिंह ने अपने पत्र में कहा कि यह अत्यंत आश्चर्यजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस विषय पर तीन माह पूर्व पत्र लिखने के बाद भी केन्द्र और राज्य सरकार ने किसानों के हित में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

उन्होंने बताया कि संसद के शीतकालीन सत्र में भी उन्होंने इस मुद्दे को उठाया था और मध्यप्रदेश के बासमती उत्पादक किसानों को जी.आई. टैग नहीं मिलने से हो रही आर्थिक क्षति और अन्याय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया था। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के ग्वालियर-चंबल अंचल से लेकर मालवा और महाकौशल क्षेत्र तक लगभग 14 जिलों- श्योपुर, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, गुना, विदिशा, रायसेन, सीहोर, हरदा, होशंगाबाद, नरसिंहपुर और जबलपुर में हजारों किसान वर्षों से उच्च गुणवत्ता वाले सुगंधित बासमती चावल का उत्पादन कर रहे हैं। बावजूद इसके, जी.आई. टैग नहीं मिलने के कारण किसानों को अपने उत्पाद का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

श्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश के किसान पिछले दो दशकों से इन जिलों के बासमती चावल को जी.आई. टैग देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2013 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने मध्यप्रदेश के बासमती चावल को जी.आई. टैग प्रदान किया था, लेकिन वर्ष 2016 में वर्तमान केन्द्र सरकार ने इसे वापस ले लिया। वर्तमान में जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के बासमती चावल को जी.आई. टैग प्राप्त है, जबकि मध्यप्रदेश के किसानों को इस अधिकार से वंचित रखा गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अन्य राज्यों के मिल मालिकों और व्यापारिक लॉबी के दबाव के कारण मध्यप्रदेश के किसानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। प्रदेश में उत्पादित बासमती चावल को औने-पौने दाम में खरीदकर उसे अन्य राज्यों के जी.आई. टैग के नाम पर विदेशों में निर्यात किया जा रहा है, जिससे कंपनियां और व्यापारी भारी मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि किसान अपने ही उत्पाद का उचित लाभ नहीं पा रहे। श्री सिंह ने कहा कि जी.आई. टैग मिलने से न केवल प्रदेश के लाखों किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि मध्यप्रदेश के बासमती चावल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी और इससे देश को विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केन्द्र और राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो वे मध्यप्रदेश के किसानों के साथ मिलकर संसद से लेकर सड़क तक और खेतों से लेकर खलिहानों तक व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

बंदर ने नायब तहसीलदार को काटा, लगे 12 टांके

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश के धार जिले के बदनावर नगर में एक बंदर शुक्रवार शाम को नायब तहसीलदार सहदेव मोरे पर हमला कर दिया। नायब तहसीलदार अपने घर के आंगन में बैठे थे कि अचानक बंदर ने उनके हाथ पर झपट्टा मारा और काट लिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। उन्हें 12 टांके लगे हैं।

जानकारी अनुसार बंदर के हमले के बाद उन्हें तुरंत सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम के निजी हॉस्पिटल में रेफर किया गया, जहां उनका ऑपरेशन हुआ और उन्हें लगभग 12 टांके लगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इससे एक दिन पहले भी लोक निर्माण विभाग के एसडीओ संजय जैन पर वही बंदर हमला कर चुका था, लेकिन वे बाल-बाल बच गए। इस तरह से बंदर का सरकारी अधिकारियों पर हमला करना नगर में चर्चा का विषय बन गया। वन विभाग के अधिकारी बताते हैं कि बंदर भूख, प्यास और डर के कारण उत्पाती बन जाते हैं। जब उन्हें खतरा महसूस होता है या भोजन की तलाश में उकसाया जाता है तो वे आक्रामक हो जाते हैं। वन विभाग की टीम ने तहसीलदार सुरेश नागर के निर्देश पर डिप्टी रेंजर विक्रम सिंह निनामा के मार्गदर्शन में बंदर को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन किया। बंदर ने टीम को करीब आधे घंटे तक चकमा दिया, लेकिन आखिरकार जाल में फंसकर पिंजरे में बंद कर सरदारपुर ले जाया गया।

राजधानी में जूनियर डॉक्टर्स का प्रदर्शन

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग, अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी में जूनियर डॉक्टरों ने जमकर प्रदर्शन किया। जूडा ने अपनी मांगों को लेकर मार्च निकाला। इस दौरान जूडा ने कहा कि डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ा दिया गया है, लेकिन हमारा नहीं बढ़ाया गया। अधिकारियों की तरफ से अब तक कोई जवाब नहीं आया है। वहीं उन्होंने मांग पूरी न होने पर अनिश्चितिकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी भी दी है।

एमपी के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ने-काम करने वाले जूनियर डॉक्टरों का आंदोलन तेज हो गया है। राजधानी भोपाल में जूडा ने स्टाइपेंड में बढ़ोतरी और लंबित भुगतान में हो रही देरी को लेकर प्रदर्शन किया। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जूडा) ने चेतावनी दी है कि सोमवार से वे नॉन-इमरजेंसी सेवाओं का बहिष्कार करेंगे, जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। जूनियर डॉक्टरों के मुताबिक, प्रदेश सरकार के 7 जून 2021 के आदेश के तहत 1 अप्रैल 2025 से सीपीई (कॉस्ट प्राइस इस्कलेसन या समान) आधारित स्टाइपेंड में वृद्धि और लंबित एरियर का भुगतान होना था, लेकिन यह अब तक नहीं हुआ है। जूडा का कहना है कि यह न केवल आर्थिक समस्या है, बल्कि मानसिक और पेशेवर मनोबल भी प्रभावित हो रहा है। आपको बता दें कि जूडा ने चरणबद्ध विरोध की रणनीति अपनाई है। पहले काली पट्टी, फिर मार्च और मांगें पूरी नहीं हुई तो नॉन-इमरजेंसी सेवाओं का बहिष्कार करने की बात कही है। इस दौरान इमरजेंसी सेवाएं जारी रहेंगी।

इजरायल-ईरान युद्ध का असर भोपाल के इत्र बाजार पर, कारोबारियों ने कहा-हुआ भारी नुकसान

रमजान में खाड़ी देशों को होने वाला निर्यात रुका

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के भोपाल के 100 साल पुराने इत्र बाजार पर इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का गंभीर असर देखने को मिल रहा है। खासकर रमजान के महीने में खाड़ी देशों और दुबई जैसे प्रमुख शहरों में इत्र का बड़ा व्यापार होता है, लेकिन इस साल युद्ध के कारण व्यापारियों को करीब 70 प्रतिशत तक घाटा हुआ है।

भोपाल में इत्र के पारंपरिक कारोबारी बताते हैं कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमले के बाद से शुरु हुए युद्ध ने उनके कारोबार को खासा प्रभावित किया है। उनका कारोबार लगभग 70 प्रतिशत घट गया और केवल 30 प्रतिशत व्यापार बचा। इत्र के कारोबारियों को उम्मीद है, कि जल्द ही युद्ध रुक जाएगा और व्यापार सामान्य हो जाएगा, तब संभवतः घाटा कम हो।

यहां बताते चलें कि भोपाल का इत्र बाजार गुलाब, केवड़ा, ऊद और चंदन जैसे पारंपरिक खुशबू वाले देसी अत्तर के लिए प्रसिद्ध है। यहां की अनेक दुकानें परंपरागत तरीके से पीढ़ियों से चल रही हैं, जिनकी वैश्विक पहचान रही है। युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कच्चे माल की आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है, जिससे ऑर्डर भी कम हुए हैं। भोपाल के इत्र बाजार के तौर पर पहचाने जाने वाले प्रमुख इलाकों, जैसे इब्राहिम पुरा, जुमेराती गेट, पुराने चौक और इतवारा में व्यापारियों को अंतरराष्ट्रीय हालात का असर अब प्रत्यक्ष रूप से महसूस हो रहा है। बाजार में गर्मियों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला शान-ए-भोपाल इत्र का भाव वर्तमान में 600 रुपए प्रति तोला है। इस युद्ध का असर केवल स्थानीय व्यापारियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मध्य भारत में इत्र के निर्यात और व्यापार पर दबाव बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व विधायक स्व. यादव को दी श्रद्धांजलि

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अशोकनगर जिले के ईसागढ़ के ग्राम महुअन पहुंचकर चंदेरी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक श्री राव राजकुमार सिंह यादव के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा परिजन से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. राव राजकुमार सिंह यादव समर्पित जनप्रतिनिधि और समाजसेवी थे। अपने जीवनकाल में उन्होंने कई समाज सेवा के कार्य किए। जनकल्याण के लिए सक्रियता पूर्वक कार्य किया। उनका योगदान स्मरणीय रहेगा।

रंगपंचमी पर्व की दी मंगलकामनाएं

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रंग पंचमी के पावन पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएं की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रंगपंचमी की मंगलकामनाएं करते हुए कहा है कि रंगों का यह त्यौहार सभी प्रदेशवासियों के जीवन में उत्साह और उल्लास की वृद्धि करे।

अन्य राज्यों में नजर आएगी लाल सड़क, तमिलनाडु-पंजाब-पश्चिम बंगाल को भायी मप्र की स्कीम

देश भर के लिए रोल मॉडल बना-टेबल टॉप मार्किंग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश के नौरादेही में बनी रेड रोड 'टेबल टॉप मार्किंग' देश भर के लिए रोड माडल बन रही है। जंगली जानवर और एक्सीडेंट को कम करने के लिए करीब दो किलोमीटर तक बनी रेड रोड जल्द ही देश के कई और राज्यों में भी नजर आएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से अन्य प्रदेशों के अधिकारी इस रोड के लिए संपर्क कर रही है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु,पंजाब और चैन्नई सहित कई अन्य राज्यों के अधिकारी जल्द ही नौरादेही में बनी रोड का निरीक्षण करने आ रहे हैं। माना जा रहा है कि टेबल टाप मार्किंग रोड बनने के बाद ना सिर्फ दुर्घटनाओं में पूरी तरह से कमी आई है, बल्कि जंगली जानवरों की मौत भी नहीं हुई है।

नौरादेही में अक्टूबर 2025 को टेबल टॉप मार्किंग रेड रोड को तैयार किया गया था। जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नौरादेही अभयारण्य के 12 किलोमीटर लंबे डेंजर जोन को सुरक्षित बनाने के लिए हाईवे में विशेष रूप से डिजाइन किया गया है, जो देश में पहली बार इस तरह की रोड बनाई गई है। दरअसल इस इलाके में सैकड़ों हिरन, नीलगाय और अन्य वन्य जीव विचरण करते हैं। जहां पहले टू लेन सडक़ पर तेज रफ्तार वाहन अक्सर जानवरों से टकरा जाते थे। कई बार सडक़ दुर्घटनाएं भी होती थीं। इसी खतरे को देखते हुए एनएचआई ने अब फोर लेन निर्माण के साथ तकनीक आधारित सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। एनएचएआई ने 12 किलोमीटर लंबे जंगली इलाके में से दो किलोमीटर के संवेदनशील हिस्से में सडक़ की सतह पर 5 एमएम मोटी रेड कलर मार्किंग की है, जिसे 'टेबल टॉप मार्किंग' नाम दिया गया है। इस लेयर की वजह से वाहन गुजरते समय हल्के झटके महसूस होते हैं, जो चालक को गति नियंत्रित रखने के लिए सचेत करते हैं। बता दें कि लाल रंग पहले से ही खतरे का संकेत माना जाता है। ऐसे में ड्राइवर मनोवैज्ञानिक रूप से भी लाल रंग को देखते ही गाड़ी की रफ्तार अपने आप कम कर लेता है।

अन्य एजेंसियों को भा रहा है प्रयोग- अक्टूबर 2025 में जैसे ही रेड रोड बनकर तैयार हुई तो इसे एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने नाम दिया टेबल टाप मर्किंग। सोशल मीडिया में कुछ ही दिनों के भीतर यह रोड इस तरह से वायरल हुई कि देश भर की नजरें इस पर आकर थम गईं।

2021 में काम शुरू, 2025 में पूरा हुआ- टेबल टॉप मार्किंग के लिए सडक़ के दोनों और वाइट कलर की पैवर शोल्डर लाइन 5 एमएम मोटाई के साथ बनाई गई है। वाहन चालक को अगर गाड़ी चलाते समय नींद आ जाए या वाहन किनारे की ओर खिसकने लगे तो झटके के कारण चालक तुरंत सतर्क हो जाता है। एनएचआई का मानना है कि भविष्य में इस मार्ग को ब्लैक स्पॉट बनने से रोकने में यह स्कीम बहुत कारगार साबित होगी। वाइल्डलाइफ विभाग से 12 किमी फोर लेन निर्माण की अनुमति 2020 में मिली थी। 2021 में काम शुरू हुआ और 2025 तक परियोजना पूरी हो गई। उन्होंने बताया कि टू लेन को फोर लेन में बदलने पर वाहन गति स्वतः बढ़ जाती है, जिससे दुर्घटनाएं भी बढऩे की आशंका रहती है।

2 किलोमीटर में बिछाया रेड कार्पेट-तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने को लेकर अक्सर नौरादेही के जंगल भरे रास्तों में वाहन से टकराकर जंगली जानवरों की मौत हो जाती थी, इतना ही नहीं एक्सीडेंट भी यहां पर बड़ी संख्या में होते थे, इसको लेकर एनएचएआई ने रोड को डिजाइन करते समय तय किया कि सबसे खतरनाक 2 किमी हिस्से में रेड मार्किंग और मोटी लेयर बिछाई जाएगी। वन्य जीवों की आवाजाही को देखते हुए रोड के नीचे से 25 अंडरपास भी बनाए गए हैं, ताकि जानवर सडक़ पर आए बिना सुरक्षित तरीके से इस पार से उस पार चले जाए।

कान्हा टाइगर रिजर्व में महिलाएं निभा रहीं सुरक्षा की जिम्मेदारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः बालाघाट जिले में महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। मध्यप्रदेश के इस जिले में स्त्री-पुरुष लिंगानुपात सर्वाधिक है, जहां प्रति 1000 पुरुषों पर 1022 महिलाएं हैं। यह सकारात्मक सामाजिक वातावरण कान्हा टाइगर रिजर्व में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी में भी परिलक्षित होता है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में महिलाएं जोखिम भरे वन कार्यों के साथ-साथ पर्यटन गाइड के रूप में भी नई पहचान बना रही हैं। मुक्की ग्राम की महिलाएं गाइड के तौर पर पर्यटकों को जंगल और वन्यजीवों की जानकारी देती हैं, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। यह पहल पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान रहे इस क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाती है।

कान्हा में महिला कर्मचारियों की एक टीम जंगल की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस टीम में खापा रेंजर संध्या देशकर, माना बीट की बीट गार्ड वनरक्षक विनीता मरावी, भैसानघाट बैरियर की वनरक्षक सोनम झारिया, और सुरक्षा श्रमिक प्रेमा यादव और विमला कुशरे शामिल हैं। ये महिलाएं टाइगर रिजर्व में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण, वन क्षेत्र की निगरानी और वन्य प्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व निभाती हैं।

उनके दैनिक कार्यों में जंगलों में गश्त करना, बैरियर पर निगरानी रखना और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना शामिल है। कठिन परिस्थितियों और चुनौतियों के बावजूद, वे पूरी लगन और साहस के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। खापा रेंजर संध्या देशकर के अनुसार, जंगल की सुरक्षा में महिलाओं का आगे आना आवश्यक है। ये महिलाएं वास्तव में महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं।

इसके अतिरिक्त, कान्हा टाइगर रिजर्व में 13 महिला गाइड मुक्की, खटिया और सरही प्रवेश द्वारों पर अपनी सेवाएं दे रही हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com